विश्वभाषा हिंदी

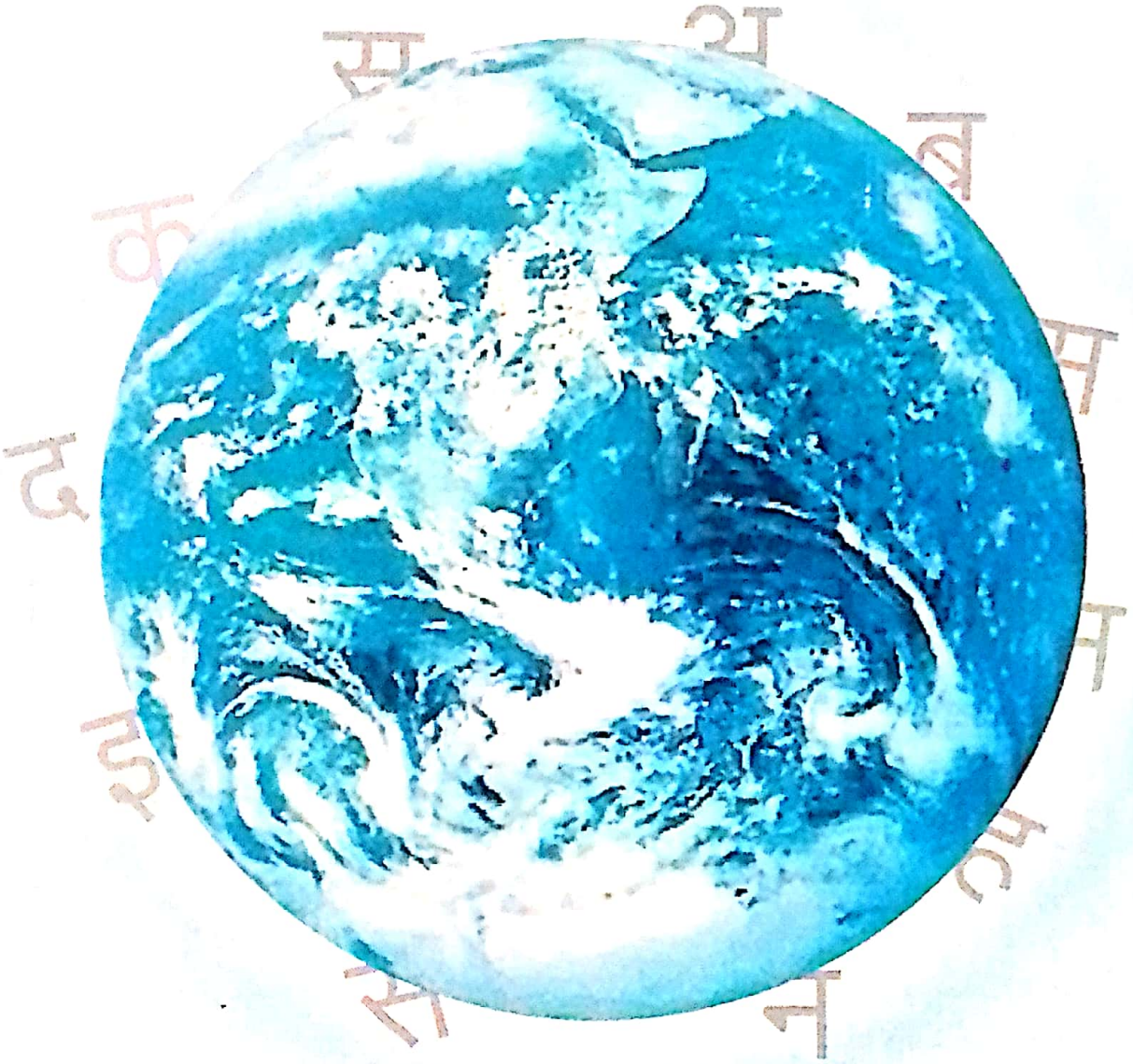

संपादक : राज केसरवानी

Scanned with OKEN Scanner

कृति	विश्वभाषा हिंदी (शोध निबंध संग्रह)
संपादक	राज केसरवानी
प्रथम संस्करण	2006
सर्वाधिकार	राष्ट्रीय हिंदीसेवी महासंघ तथा संबंधित सभी लेखक
प्रकाशक	राज केसरवानी, महासचिव, राष्ट्रीय हिन्दी सेवी महासंघ, 3/4, सेन्ट्रल एक्साइज कालोनी, रेसीडेंसी एरिया, इन्दौर (म.प्र.) 452-001 फोन- (0731) 2702898 मोबाइल- 94250-54038
मुद्रक	राजा आफसेट प्रिंटर्स 863/9, नेहरूनगर, इन्दौर
शब्द संयोजन	वेव मीडिया 90, कारसदेवनगर, इन्दौर
मूल्य	सजिल्द- 150 रु. अजिल्द- 120 रु.

Scanned with OKEN Scanner

क्रम

1.	पीठिका	गज केसरवानी	3
2.	विश्वभाषा हिंदी	डॉ. शहाबुद्दीन नि.मु. शेख	7
3.	विश्व में हिंदी पहले स्थान पर	डॉ. जयंतीप्रसाद नौटियाल	10
4.	विश्व बाजार और हिंदी	डॉ. राजेश्वर गंगवाल	24
5.	राष्ट्रभाषा हिंदी की दशा और दिशा	डॉ. बालशौरी रेड्डी	34
6.	विदेशी विद्वानों की छत्रछाया में पल्लवित हिंदी	डॉ. एन.एस. शर्मा	38
7.	हिंदी का वैश्वीकरण	पी.आर. वासुदेवन 'शेष'	48
8.	उच्च शिक्षा में भाषा : एक विमर्श	डॉ. अर्जुन शतपथी	53
9.	भविष्य की हिंदी और हिंदी का भविष्य	डॉ. प्रणव	57
10.	नागरी लिपि : उद्भव, विकास और स्वरूप	डॉ. चौदंते प्रदीपकुमार	59
11.	हिंदी : भावात्मक एकता की कड़ी	डॉ. विद्याविनोद गुप्त	66
12.	हिंदी भाषा की स्थिति और गति	डॉ. सुरेश मुले	69
13.	राष्ट्रभाषा : वर्तमान परिदृश्य एवम् विडम्बनाएं	डॉ. तारिक असलम 'तस्नीम'	73
14.	हिंदी साहित्येतिहास लेखन की समस्याएं	डॉ. ईश्वर पंवार	79
15.	हिंदी में कितनी संस्कृत?	डॉ. कृष्णलाल	82

Scanned with OKEN Scanner

16.	अंग्रेजी हटाओ	जगदीशप्रसाद वैदिक	84
17.	हिंदी और भारत की लोकभाषाएं	डॉ. वीरेन्द्रकुमार सिंह	87
18.	कृषि विज्ञान में हिंदी पत्रकारिता	राजेश्वर उनियाल	96
19.	दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की उपलब्धियां	प्रो. डॉ. निर्मला एस. मौर्य	99
20.	दक्षिण के प्रमुख हिंदी पत्र/पत्रिकाएं	संजय जोशी 'प्रेमी'	106
21.	केरल में हिंदी	डॉ. आरसू	110
22.	कर्नाटक में हिंदी भाषा की स्थिति	डॉ. एस.एम. मिट्ठलकोड	115
23.	मैसूर हिंदी प्रचार परिषद् की 63 वर्षीय यात्रा	डॉ. वि. रामसंजीवय्या	118
24.	म.प्र. राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की 50 वर्षीय यात्रा	कैलाशचंद्र पंत	123
25.	हिंदी प्रसार में बिहार का योगदान	शम्भूनाथ	130
26.	पूर्वोत्तर भारत में हिंदी	डॉ. प्रमथनाथ मिश्र	140
27.	राजस्थान में हिंदी साहित्य के दो दशक	डॉ. फरजाना सुल्ताना	145

❑❑❑

Scanned with OKEN Scanner

पूर्वोत्तर यानी सात बहनें

प्रदेश	अलग राज्य का दर्जा	क्षेत्रफल (प्रति वर्ग किमी)	जनसंख्या	साक्षरता प्रतिशत में पुरुष	स्त्री	जाति प्रतिशत में अनु.जा.	अनु.जन.
अरुणाचल	20 फरवरी 1987	83,743	864,558	51.45	29.69	0.47	63.66
असम	पहले से ही राज्य बना रहा	78,523	22,414,322	61.87	43.03	7.40	12.82
मणिपुर	21 जनवरी 1972	22,327	1,837,149	71.63	47.60	2.02	34.41
मेघालय	21 जनवरी 1972	22,429	1,774,778	53.12	44.85	0.51	85.53
मिजोरम	20 फरवरी 1987	21.087	6,86,217	85.61	78.60	0.10	94.75
नागालैंड	1 दिसम्बर 1962	16,527	1,209,546	67.62	54.75	--	87.70
त्रिपुरा	1 अप्रैल 1975	10,491	2,757,205	70.58	49.65	16.36	30.95

प्रदेश	राजधानी	भाषा/लोकभाषा	जिले	राज्य विधानसभा में कुल	लोकसभा में कुल सीटें	राज्यसभा में कुल सीटें
अरुणाचल	इटानगर	मोन्पा, अका, मिजी, शेर्डुकपेन, निशी, अपातनी आदि	11	60	2	1
असम	दिसपुर	असमी, बोडो	23	126	14	7
मणिपुर	इम्फाल	मणिपुरी	8	60	2	1
मेघालय	शिलांग	गारो, खासी, अंग्रेजी	7	60	2	1
मिजोरम	आईजल	मिजो, अंग्रेजी	3	40	1	1
नागालैंड	कोहिमा	आओ, कोन्याक, अंगामी, सेमा, लोथा, अंग्रेजी	7	60	1	1
त्रिपुरा	अगरतला	बंगाली, ककबरक, मणिपुरी	3	60	2	1

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner